भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.2721
उत्तर देने की तारीख 11 दिसम्बर, 2024

विभिन्न दूरसंचार सेवाओं के शुल्क में वृद्धि

2721. श्री राजीव प्रताव रूडी:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या विगत कुछ महीनों के दौरान विभिन्न दूरसंचार सेवाओं के शुल्क में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि इस वृद्धि के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग रिजार्च सेवाओं का खर्च वहन करने में असमर्थ हो गए हैं जिसके कारण बुनियादी संचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच समाप्त हो गई है;
(ग) शुल्क में वृद्धि से पहले और बाद में जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया जैसी प्रमुख दूरसंचार कंपनियों के उपभोक्ताओं की कुल संख्या कितनी है और उनके प्रयोक्ता आधार में कितने प्रतिशत की कमी, यदि कोई हो, हुई है;
(घ) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि आम आदमी, विशेषकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को वहन नहीं किए जा सकने वाले दूरसंचार शुल्कों के कारण परेशानी न हो;
(ड.) शुल्क में इस वृद्धि के बीच बीएसएनएल द्वारा सस्ती और सुलभ दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने में क्या भूमिका निभाई जा रही है; और
(च) क्या बीएसएनएल की सेवाओं की उपलब्धता को सुदृढ़ करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (घ) जी हां, हाल ही में तीन निजी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने टैरिफ में वृद्धि की थी। इन दूरसंचार सेवा प्रदाताओं भारती एयरटेल लिमिटेड (बीएएल), रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल), वोडाफोन आइडिया लिमिटेड द्वारा टैरिफ में की गई वृद्धि 11% से 25% की रैंज में थी।

वर्ष 2004 में, दूरसंचार सेवा बाजार में पर्याप्त प्रतिस्पर्धा का निर्धारण करने के बाद, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मोबाइल की मौजूदगी दूरसंचार सेवाओं के लिए टैरिफ फोरबियरेंस की नीति अपनाई थी, जो विश्व के कई अन्य देशों के अनुरूप है। इसका अर्थ यह है कि दूरसंचार सेवा प्रदाता प्रतिस्पर्धी बाजार में मांग और आपूर्ति की बाजार शक्तियों के आधार पर दूरसंचार सेवाओं के लिए टैरिफ निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं।

टैरिफ वृद्धि से पहले और बाद में प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के ग्राहकों की कुल संख्या अनुलग्नक-I में दी गई है।

यह भी उल्लेखनीय है कि आईटीयू आंकड़ों के अनुसार भारतीय दूरसंचार टैरिफ विश्व में और भारत के पड़ौसी देशों की तुलना में सबसे कम हैं, जो अनुलग्नक-II में दिए गए हैं।

(ङ) भारत के सेवा से वंचित गांवों और दुर्गम भू-भागों को कवर करने हेतु दूरस्थ और छितरी आबादी में बसे नागरिकों तक पहुंचने के लिए बीएसएनएल को 4जी सेचुरेशन स्कीम, सीमा चौकी/सीमा आसूचना चौकी (बीओपी/बीआईपी) और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) परियोजना के अंतर्गत भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना का कार्य सौंपा जा रहा है। तैनात अवसंरचना को 5जी क्षमताओं के उपयोग के लिए अपग्रेड किया जा सकता है। निजी टीएसपी द्वारा टैरिफ में की गई इन बढ़ोतरियों के बावजूद, बीएसएनएल ने वहनीय और सुलभ दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने हेतु अपने टैरिफ में कोई वृद्धि नहीं की है।

(च) जी हां, सरकार ने बीएसएनएल को अपनी अवसंरचना का उन्नयन करने और निजी ऑपरेटरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए सहायता प्रदान की थी। सरकार द्वारा बीएसएनएल को प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा अनुलग्नक-।।। में दिया गया है।

****

अनुलग्नक-I

सेवा प्रदाता	ग्राहक संख्या (मिलियन)			वृद्धि दर (%)
	जून-24	सितंबर-24	निवल वृद्धि	
रिलायंस जियो	489.72	478.78	-10.94	-2.23%
भारती एयरटेल	398.07	392.80	-5.27	-1.32%
वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	218.12	213.32	-4.80	-2.20%

अनुलग्नक-II

राष्ट्र	मापक नाम	मापक मूल्य
भारत और पड़ौसी राष्ट्र		
चीन	यूएसडी	8.84
अफगानिस्तान	यूएसडी	4.77
भूटान	यूएसडी	4.62
बांग्लादेश	यूएसडी	3.24
रिपब्लिक ऑफ नेपाल	यूएसडी	2.75
भारत	**यूएसडी**	**1.89**
पाकिस्तान	यूएसडी	1.39
अन्य देश		
यूएसए	यूएसडी	49
कनाडा	यूएसडी	34.21
ऑस्ट्रेलिया	यूएसडी	20.05
रूस	यूएसडी	6.55
यूके	यूएसडी	12.62
फ्रांस	यूएसडी	21.77
जर्मनी	यूएसडी	14.14
नीदरलैंड	यूएसडी	16.87
स्वीडन	यूएसडी	18.91
ब्राजील	यूएसडी	6.06
अर्जेंटीना	यूएसडी	19.61
इंडोनेशिया	यूएसडी	3.29
टर्किए	यूएसडी	4.8
केन्या	यूएसडी	4.72
अल्जीरिया	यूएसडी	7.37
जापान	यूएसडी	40.56
सिंगापुर	यूएसडी	11.2

अनुलग्नक- III

वर्ष	सहायता (राशि रु. में)
2019	69,000 करोड़ रु.
2022	1.64 लाख करोड़ रु.
2023	89,000 करोड़ रु.

****